

कमली मैया दी कमली

मैया जैसा जग के अंदर होर न लोको कोई,
सब नू लोको खैरां वंडदी खाली न जांदा कोई,
तू ही सब दे माँ कष्ट मिटावे तेरे वाजों न दाती कोई,
तेरे ही माँ दर ते आके किस्मत जागे सोई

कमली मैया दी कमली, नी मैं कमली ।

दर्श तेरे दी सानू रहन उडीकां हर वेले माँ अम्बे,
दर्शन दे के, माँ प्यास बुझादे,
तेरी बचड़ी ऐ ही मंगे, नी मैं कमली,,,,,,,,,,,,,

सपने विच मेरी दाती आई फुल्ल सजाये राहवाँ,
डर दी मारी, मैं अक्ख न खोलां,
किते फ़ेर बिछड़ न जावाँ, नी मैं कमली,,,,,,,,,,,,,

मैनु चरणीं अपने लगा लै, नी मायें कुझ होर न मंगां,
तेरे चरणां दे विच ही मायें जीना, नी मायें कुझ हो न मंगां,

किसी के कान में हीरा, किसी के नाक में हीरा,
हमें क्या गर्ज हीरों से हमारी दाती है हीरा,

पंडित देव शर्मा

श्री दुर्गा संकीर्तन मंडल
रानियां, सिरसा

Source: <https://www.bharattemples.com/kamli-maiya-di-kamli/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>